महिलाओं के लिए चलाये जा रहे योजनाओं से उनमें होने वाले सामाजिक एवं आर्थिक विकास और परिवर्तन : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (मुजफ्फरपुर जिला के संदर्भ में)

डॉ० सीतांजलि सिंह

आज के युग में महिलाएँ एवं पुरूष प्रभावशाली और अर्थपूर्ण सहयोगी माने जाने लगे हैं। भारतीय समाज में महिलाएँ एक लम्बे काल से अवमानना, यातना और शोषण का शिकार रही हैं। विचारधाराओं, संस्थागत रिवाजों और समाज में प्रचलित प्रतिमानों ने उनके उत्पीड़न को बढ़ाया हैं। भारतीय समाज में महिलाओं में शिक्षा के फैलाव और महिलाओं की धीरे–धीरे बढ़ती हुई आर्थिक स्वतन्त्रता के बावजूद असंख्य महिलाएँ अब भी उत्पीड़न का शिकार हैं। इसलिए महिलायें रोजगार में पुरूषों की अपेक्षा कम हैं। जबकि अनेकों मामलों में महिलाओं ने यह सिद्ध किया है कि कर्म–क्षेत्र की किसी भी दिशा में अवसर मिलने पर वे पुरूषों से पीछे नहीं रहेगी, चिकित्सा, शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, अन्तरिक्ष, खेल राजनीति, आदि क्षेत्रों में महिलाओं की श्रेष्ठतम उपलब्धियों में सिद्ध कर दिया है कि यदि उन्हें पुरूषों के समकक्ष अवसर मिलें तो वे अपने दायित्वों को निर्वाह अधिक अच्छे ढंग से कर सकती है। महिलाओं में सामाजिक चेतना और जागरूकता उत्पन्न करने एवं उन्हें आर्थिक रूप से स्वतन्त्र बनाने और उनकी आय बढ़ाने हेतु सरकार द्वारा महिलाओं के लिए कई विकास और कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।